संजय टाइगर रिजर्व से 23 गांवों के विस्थापन में सुस्ती

20 गांवों में भुगतान की नहीं शुरू हो सकी प्रक्रिया, 11 गांवों के विस्थापितों का हो चुका है भुगतान

नवभारत न्यूज

सीधी, 7 अप्रैल। संजय टाइगर रिजर्व में विस्थापन के लिए चिन्हित किए गए 54 गांवों में अब केवल 23 गांवों का ही विस्थापन होना है। 20 गांवों में पैकेज समेत विस्थापितों को सभी भुगतान किया जा चुका है। इनमें से काफी लोग अपना गांव छोड़कर अन्यत्र जा भी चुके हैं। कुछ ग्रामीण जाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। वहीं 11 गांवों में विस्थापन पैकेज एवं भुगतान की प्रक्रिया चल रही है।

दुर्लभ वन्य जीवों की है मौजूदगी

जिले के जैव विविधतापूर्ण वन क्षेत्र को संरक्षित करने की दृष्टि से संजय दुबरी राष्ट्रीय उद्यान व टाइगर रिजर्व की स्थापना 1975 में की गई। सदाबहार साल वनों का यह क्षेत्र 152 पक्षी, 32 स्तनधारी, 11 सरीसृप, 3 उभयचर व 34 मत्स्य प्रजातियों समेत अनेक जीवों विशेषकर बाघों का आश्रयस्थल है। बाघों के साथ ही यहां स्लोथ भालू, चीतल, नीलगाय, चिंकारा, सांभर, तेंदुआ, धोल, जंगली बिल्ली, हाइना, साही, गीदड़, लोमड़ी, भेड़िया, पाइथन, चौसिंघा और बार्किंग डियर पाए जाते हैं। वर्तमान में संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र में करीब आधा सैकड़ा बाघों की मौजूदगी मानी जा रही है। छत्तीसगढ़ के कॉरीडोर से जुड़े होने के कारण यहां बाघों की उपस्थिति घटती बढ़ती रहती है फिर भी यह माना जा रहा है कि संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र बाघों की बसाहट को लेकर काफी अनुकूल क्षेत्र है। इसी वजह से यहां आने वाले बाघ काफी समय के लिए अपनी बसाहट बना लेते हैं। संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र में बाघों की संख्या बढ़ाने के लिए विभाग की ओर से तरह-तरह के प्रयास किए जा रहे हैं।

उधर संजय टाईगर रिजर्व क्षेत्र के कोर एरिया में विस्थापन न होने से इसका परिणाम वन्य प्राणियों के साथ ही कोर एरिया में बसे गांव के लोगों भी भुगतना पड़ रहा है। वन्य प्राणियों को जहां विचरण के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिल पा रहा है। वहीं विस्थापन के लिए चिन्हित गांवों में रहने वाले परिवारों को जंगली जानवरों के हमले का शिकार होना पड़ता है। बताते चलें कि संजय टाइगर रिजर्व अंतर्गत कोर जोन में बसे 54 गांवों को विस्थापन के लिए चिन्हित किया गया था। विभागीय दावों के अनुसार अब तक 20 गांवों का विस्थापन हो चुका है। पहला विस्थापन ग्राम कंजरा का वर्ष 2013-14 में हुआ था।

इसके बाद क्रमश: कई गांव विस्थापित किए जा चुके हैं लेकिन करीब एक दर्जन को छोड़ दिया जाए तो सभी विस्थापित गांव पूरी तरह से इंसानी दखल से मुक्त नहीं हो पाए हैं। अभी भी कई विस्थापित गांवों के कुछ परिवार गांव छोड़कर नहीं गए हैं। घर गिराने के बाद भी लोग झोपड़ी बनाकर रह रहे हैं और यहीं खेती बाड़ी का काम करते हैं। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विस्थापन में तेजी न आने का सबसे बड़ा कारण राजस्व विभाग का सहयोग न मिलना बताया जा रहा है। संजय टाइगर रिजर्व एरिया के विस्थापन के चिन्हित गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया कछुए की गति से चल रही है। पहला गांव कंजरा वर्ष 2013-14 में विस्थापित हो गया था। उसके बाद से अब तक महज 20 और गांव विस्थापित हो पाए हैं। विस्थापन की प्रक्रिया धीमी गति से चलने के कारण विस्थापित गांवों में दुबारा बसाहट बढ़ने लगी है। लोग गांव में झोपड़ी बनाकर रहते हैं। विस्थापन को लेकर सबसे बड़ी समस्या निर्धारित पैकेज राशि थी। शासन स्तर से मूल निवासी परिवार को विस्थापन के लिए 15 लाख रुपए का पैकेज निर्धारित किया गया था।

इनका कहना है

संजय टाईगर रिजर्व से 23 गांवों का विस्थापन होना शेष है। वहीं 20 गांवों का भुगतान पूरी तरह से हो चुका है तथा 11 गांवों में भुगतान की प्रक्रिया चल रही है। हमारा प्रयास है कि विस्थापित गांवों के ज्यादा से ज्यादा लोग आगे आएं और भुगतान लेकर अन्यत्र बसाहट करें।

राजेश कन्ना टी, डीएफओ संजय टाईगर रिजर्व सीधी

बहरी में संकल्प से समाधान शिविर का आयोजन कल

हितग्राहियों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अप्रैल। सीधी जिले के जनपद पंचायत सिहावल अंतर्गत तहसील बहरी मुख्यालय स्थित हायर सेकेण्ड्री स्कूल बहरी में 9 अप्रैल को संकल्प से समाधान कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना एवं पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

शिविर के सफल संचालन के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजेश शुक्ला एवं जनपद पंचायत सिहावल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रश्मि पाण्डेय को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम के दौरान संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से संबंधित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया जाएगा। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टाल लगाकर योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे आमजन को एक ही स्थान पर आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें नागरिकों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जाएगा। यह शिविर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

सब्जी मंडी जोरौंधा का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अप्रैल। कलेक्टर विकास मिश्रा ने सब्जी मंडी जोरौंधा के निरीक्षण के दौरान मंडी की समुचित व्यवस्था, सुरक्षा एवं स्वच्छता को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं व्यापारी संघ के साथ चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंडी के लिए आवंटित भूमि का सीमांकन शीघ्र कराने के लिए राजस्व विभाग को निर्देशित किया।

व्यापारी संघ से मंडी की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में सहयोग करने के संबंध में चर्चा की गई। इसके तहत 45 पंजीकृत व्यापारियों की सूची उपलब्ध कराने, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, व्यापारी कल्याण निधि की स्थापना एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंडी का साइन बोर्ड लगाने जैसे कार्यों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। मंडी की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 2 होमगार्ड की शिफ्टवार ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। साथ ही व्यापारियों से मंडी परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, प्लास्टिक बैग के स्थान पर बायोडिग्रेडेबल बैग का उपयोग करने की अपील की गई। स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए प्लास्टिक डस्टबिन के स्थान पर सीमेंट डस्टबिन लगाने हेतु निर्देशित किया गया।

कलेक्टर द्वारा ग्राम पंचायत के सचिव को आगामी ग्राम सभा में सेवा कर वसूली का प्रस्ताव पारित कराने एवं न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के परिपेक्ष्य में सफाई कर्मियों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त मंडी क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने पर भी जोर दिया गया। भ्रमण के दौरान उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रिया पाठक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रोफेसर अनिल की पुस्तक नंदन वन का देवता का हुआ विमोचन

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अप्रैल। म.प्र. हिन्दी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई सीधी के तत्वाधान में अनुभव निवास उत्तर करौंदिया में नंदन वन का देवता पुस्तक विमोचन का आयोजन हुआ।

नंदन वन का देवता एक जीवनी है जिसे सीधी के पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो.अनिल सिंह सत्यप्रिय ने लिखा है। यह पुस्तक प्रो.रामस्वरूप कुशवाहा की जीवनी है। प्रो.अनिल सिंह से जीवनी को लेकर किए गए सवाल में उत्तर देते हुए कहा कि मैं प्रो.रामस्वरूप से विशेष रूप में प्रभावित हुआ, मेरे आध्यात्मिक जीवन को विकसित करने में प्रो.रामस्वरूप का मूल्यवान योगदान रहा है और मुझे प्रो. रामस्वरूप की जीवनी लिखने पर हार्दिक प्रसन्नता है ताकि अन्य लोग भी इनसे प्रभावित हो सकें। विमोचन के अवसर पर प्रो.अनिल और अतिथियों ने प्रो.रामस्वरूप का शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मान भी किया।

भाजपा सरकार ने समाप्त किया रोजगार के अवसर : भदौरिया

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अप्रैल। जिला कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन पर मनरेगा कानून समाप्त किए जाने के विरोध में ग्रामीण श्रमिकों के लिए उन्हें रोजगार की गारंटी देने का कानून यूपीए की मनमोहन सिंह की सरकार ने बनाया था यह एक आधिकारिक कानून था जिसमें साल भर के लिए 100 दिन काम की गारंटी देने, काम नहीं देने पर उसे पर हर्जाना देने एवं जिन पर रोजगार देने का अधिकार था उन पर पालन नहीं किए जाने पर दंडित करने का अधिकार था।

इस जनता हित के रोजगार कानून को भारत सरकार ने समाप्त कर भूमिहीन, बेरोजगार, गरीब श्रमिकों के पेट में गहरा घाव किया है जिसकी निंदा भी की जानी चाहिए एवं कानून समाप्त होने की जानकारी भी गांव-गांव जाकर श्रमिकों को दी जानी चाहिए कि तुम्हारा अधिकार समाप्त किया गया है। अब जी राम जी योजना लाई गई है जिसका अभी तक कोई अता-पता नहीं है। उक्त विचार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र सिंह भदौरिया ने जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ज्ञान सिंह के मार्गदर्शन पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार सिंह गोंड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में झगरी, पोस्ता, बोकरो, पोंडी, सेमरिया, हनुमानगढ़ एवं अकौरी की दो दिवसीय कार्यक्रम में व्यक्त किये। आगे बताया कि कांग्रेस की सरकार में आम जन एवं गांव के मजदूर गरीब वर्ग के लिए जमीन, आवास, घर, मुफ्त बिजली देने के बाद तेंदूपत्ता तोड़ने वाले को मजदूर से मालिक एवं कोई भूखा ना मारे इसके लिए रोजगार गारंटी कानून बनाया था जिसे वर्तमान सरकार ने समाप्त कर दिया। कार्यक्रम स्थल पर स्थानीय ग्रामीण, पंचायत प्रतिनिधि जयकुमार सिंह, जपं सदस्य कमल भान सिंह, वीरसाय सिंह, प्रद्युम्न सिंह, प्रफुल्ल कुमार पाण्डेय अध्यक्ष जिला किसान कांग्रेस, श्रीमती शशिकला द्विवेदी कार्यकारी अध्यक्ष जिला महिला कांग्रेस एवं कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण बैंक चकड़ौर का सर्वर जला, खाताधारक परेशान, बैंक में लेन-देन समेत अन्य सभी कार्य प्रभावित

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अप्रैल। मप्र ग्रामीण बैंक शाखा चकड़ौर के समीप आकाशीय बिजली गिरने से बैंक का सर्वर, अलार्म एवं एमसीवी के जल जाने से समूचा काम-काज एक पखवाड़े के ज्यादा समय से बाधित है। बैंक में जमा, निकासी, ऋण समेत समस्त कार्य प्रभावित है।

बैंक में लोगों की आवाजाही दिन भर बनी रहती है लेकिन यहां आने पर मालूम पड़ता है कि सर्वर जल जाने के कारण समूचा काम-काज पूरी तरह से बंद है। इस वजह से मायूश होकर बैंक के ग्राहक मायूश होकर घर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर जब उक्त समस्या को लेकर कोई समुचित कार्रवाई होती। यहां के ग्राहकों ने 2 अप्रैल को जिला अग्रणी बैंक के एलडीएम को लिखित में शिकायत पत्र सौंपकर जल्द से जल्द सर्वर का सुधार कार्य सुनिश्चित कराने की मांग की है। बैंक के खाताधारक रामकुमार त्रिपाठी, देवकली सिंह, अमरनाथ मिश्रा, महेन्द्र कुमार मिश्रा, भागवत प्रसाद शर्मा, अनिल कुमार गुप्ता, सत्यवती बंसल, रामकिशोर नापित, रमेश सेन, बाल्मीक बासुदेव, फूलकुमारी सिंह, सरोज मिश्रा, अरुण द्विवेदी, मिथिलेश मिश्रा, गुलबसिया साकेत, दिनेश पनिका, सोनू गुप्ता, दीपक गुप्ता, आशुतोष, छोटेलाल पनिका, शांति पनिका, राजवती पनिका, केशरी पाण्डेय, आनंद कुमार शर्मा, लखपति सिंह, अशोक कुमार गुप्ता, राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि चकड़ौर में संचालित मप्र ग्रामीण बैंक का कामकाज एक पखवाड़े के ज्यादा समय से पूरी तरह से बंद है।

बैंक के शाखा प्रबंधक द्वारा इसकी सूचना बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को आरंभ में ही दी जा चुकी थी फिर भी उनके द्वारा बैंक जैसे महत्वपूर्ण संस्थान के जले सर्वर का सुधार कार्य कराने को लेकर बड़ी लापरवाही बनी हुई है। ग्रामीण बैंक चकड़ौर में दर्जनों गांवों के लोगों का खाता संचालित है। अचानक सर्वर की समस्या गंभीर रूप से सामने आ जाने के कारण लोगों का लेन-देन पूरी तरह से बंद हो चुका है। काफी संख्या में ऐसे भी लोग हैं जो कि बैंक से कर्ज लेने को इच्छुक हैं लेकिन जब सर्वर ही पूरी तरह से बंद पड़ा है तो यह कार्य भी बैंक से नहीं हो पा रहे हैं।

इनका कहना है

मप्र ग्रामीण बैंक शाखा चकड़ौर के समीप विगत 20 मार्च 2026 की रात आकाशीय बिजली के गिरने के कारण यहां का सर्वर समेत एमसीवी एवं अलार्म सिस्टम जल गया है। अवकाश के बाद जब बैंक खुला तो इसकी जानकारी सामने आई। एमसीवी का सुधार करा लिया गया है लेकिन सर्वर का सुधार एवं बदलना बैंक के वरिष्ट कार्यालय से संबंधित है। संबंधित अधिकारियों को तत्संबंध में सूचना दी जा चुकी है। सर्वर जल जाने के कारण बैंक का काम-काज बाधित है।

कार्तिकेय सिंह, शाखा प्रबंधक चकडौर

मप्र ग्रामीण बैंक चकडौर में सर्वर जलने की जानकारी सामने आई है। तत्संबंध में वरिष्ट कार्यालय को सूचना दी जा चुकी है। उम्मीद है कि 3-4 दिन में सर्वर की व्यवस्था सुनिश्चित हो जाएगी। जिसके बाद से शाखा चकडौर का कामकाज नियमित रूप से संचालित हो सकेगा। वर्तमान में शाखा चकड़ौर के संबंधित जनों को लेन-देन के लिए समीपी शाखा खड्डी में व्यवस्था बनाई गई है। यहां से सभी आवश्यक लेन-देन के कार्य चल रहे हैं।

अवध चौधरी, एलडीएम जिला अग्रणी बैंक सीधी

भगवान राम का वरदान था, किन्नरों का आशीर्वाद कभी खाली नहीं जाएगा

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अप्रैल। भारतीय संस्कृति और मान्यताओं में किन्नरों के आशीर्वाद को बहुत शक्तिशाली और विशेष माना जाता है। मान्यता है कि उनका आशीर्वाद सीधे ईश्वर की कृपा का प्रतीक होता है और इससे जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते है। श्री गुरु बजरंग संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी महेंद्र सराफ के निज निवास में किन्नर रोजी मौसी एवं सुनीता मौसी सीधी अपनी टीम सहित पहुंची जहां नातिन रम्या को शुभ आशीर्वाद दिये, खुशी का इजहार करते हुए नाच गाना की। जिन्हें महेन्द्र सराफ द्वारा खुश होकर उपहार स्वरूप पैसे दिए गए। मान्यता है कि किन्नरों के आशीर्वाद से घर में बरकत आती है और पैसों की तंगी दूर होती है। नकारात्मक शक्तियों का नाश किन्नरों का नृत्य और तालियां बजाना भगवान शिव के नटराज रूप से जोड़कर देखा जाता है जिससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सौभाग्य में वृद्धि तय है।

पुष्पा त्रिपाठी का निधन

निवास 7 अप्रैल। ग्राम पंचायत पापल निवासी पुष्पा त्रिपाठी पति रामचंद्र त्रिपाठी जो कि कांग्रेस उपाध्यक्ष, भूतपूर्व सरपंच एवं जल उपभोक्ता अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुकी है, का 5 अप्रैल को निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर फैली हुई है। उनके गृह ग्राम पापल में शोक व्यक्त करने वालों का तांका लगा हुआ है। जिसमें मुख्य रूप से पूर्व विधायक तिलकराज सिंह, राम सांचे दुबे, राम दुलारे दुबे, जितेन्द्र कुमार तिवारी, राम सुरेश पाठक, रामभुवन द्विवेदी, रमेश कुमार द्विवेदी, संजय पाठक, बालक पाठक, गौरी शंकर पाठक, राकेश सोनी, सुरेश कुमार द्विवेदी, बबलू सोनी, जयप्रकाश साहू, भैयालाल साहू सहित तमाम लोग उपस्थित रहे तथा उनकी आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना किये।

शशि वेलफेयर सोसाइटी ने मनाया विश्व स्वास्थ्य दिवस

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अप्रैल। शशि वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आज 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर योगा क्लासेस का आयोजन किया गया। समिति की सचिव श्रीमती श्वेता सिंह द्वारा व्यायाम के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

उन्होंने कहा कि आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में डायबीटीज, हाई बीपी, थायराइड, मोटापा जैसी बीमारियों को हम जीवन शैली अपना कर भी दूर भगा सकते हैं। ज्ञात हो कि 10 फरवरी 2026 से शशि वेलफेयर सोसाइटी द्वारा नि:शुल्क योगा क्लासेज का संचालन सुबह 6 से 7 बजे तक तक किया जा रहा है, जिसमें शहर से बहुत अधिक संख्या में महिलाएं योग का लाभ ले रही हैं। नियमित रूप से योग करने से महिलाओं को काफी लाभ मिल रहा है। समिति की कोषाध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती पुष्पा गुप्ता, जिशा अजीश, श्रीमती रीता सिंह, सुनीता मिश्रा, सुश्री सुजीता मिश्रा, प्रियंका मिश्रा, श्रीमती निशा पाण्डेय, श्रीमती रानी, सुश्री आयशा साहू, अनन्या बसंतानी, अद्विका बसंतानी की उपस्थिति विशेष थी।

किसानों की समस्याओं पर भाजपा सरकार गंभीर नहीं : ज्ञान सिंह

गेहूं उपार्जन में देरी के खिलाफ चुरहट में कांग्रेस का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

सीधी 7 अप्रैल। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह की अगुवाई तथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामपुर नैकिन के अध्यक्ष प्रदीप द्विवेदी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चुरहट के अध्यक्ष रामभिलास पटेल के संयुक्त नेतृत्व में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम रामपुर नैकिन को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रदेश में वर्तमान समय में किसान अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं। गेंहू उपार्जन की तिथियों को बार-बार बदला जा रहा है जिससे किसानों में भारी असंतोष व्याप्त है। पहले 23 मार्च फिर 1 अप्रैल, उसके बाद 10 अप्रैल और अब 15 अप्रैल तक तिथियों को आगे बढ़ाया जाना किसानों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। ज्ञापन के दौरान ज्ञान सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सहकारी संस्थाओं के माध्यम से ऋण वसूली की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित किए जाने से कई किसान डिफाल्टर घोषित हो गए हैं। वहीं मजबूरी में किसानों को अपनी उपज 2000 रूपये से 2200 रूपये प्रति क्विंटल के कम दामों पर बेचनी पड़ रही है जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा उपार्जन केन्द्रों पर अव्यवस्थाओं और समय पर खरीदी शुरू न होने से किसानों की समस्याएं और बढ़ गई हैं। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने मांग की कि गेंहू उपार्जन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए, तिथियों में स्थिरता लाई जाए, किसानों को उनकी उपज का उचित समर्थन मूल्य मिले, ऋण वसूली की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए एवं डिफाल्टर किसानों को राहत दी जाए, साथ ही उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जाए।

इस दौरान संगठन महासचिव ज्ञानेन्द्र अग्निहोत्री, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष रतिभान पटेल, कमलेश्वर सिंह, अरविन्द सिंह रोशन, अनुज सिंह, जैनेन्द्र पटेल, चंद्रमणि पाण्डेय, सुखनंदन सोनी, रामपाल सिंह, कृष्णकुमार सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह, जगतपाल सिंह, रामनिवास पटेल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष विपिन सिंह, शुभम पटेल, प्रेम सिंह, पंकज सिंह, शिवनारायण सिंह, संतोष सिंह सहित कई वरिष्ठ एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला कांग्रेस सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष ने ली महत्वपूर्ण बैठक

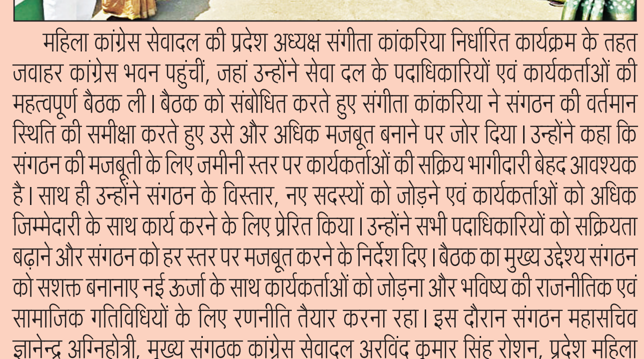

महिला कांग्रेस सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष संगीता कांकरिया निर्धारित कार्यक्रम के तहत जवाहर कांग्रेस भवन पहुंचीं, जहां उन्होंने सेवा दल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक को संबोधित करते हुए संगीता कांकरिया ने संगठन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए उसे और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बेहद आवश्यक है। साथ ही उन्होंने संगठन के विस्तार, नए सदस्यों को जोड़ने एवं कार्यकर्ताओं को अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को सक्रियता बढ़ाने और संगठन को हर स्तर पर मजबूत करने के निर्देश दिए। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को सशक्त बनानाए नई ऊर्जा के साथ कार्यकर्ताओं को जोड़ना और भविष्य की राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए रणनीति तैयार करना रहा। इस दौरान संगठन महासचिव ज्ञानेन्द्र अग्निहोत्री, मुख्य संगठक कांग्रेस सेवादल अरविंद कुमार सिंह रोशन, प्रदेश महिला महासचिव कुमुदिनी सिंह, महिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष शशिकला द्विवेदी, अनिता वर्मा, कुसुमबाई वर्मा, माधुरी सिंह, पुष्पा सिंह चंदेल, सीमा सिंह, तारा सिंह, पुष्पा सिंह बघेल, रेखा सिंह, प्रियंका सिंह, वसुधा सिंह, सुमन विश्वकर्मा, आशिका द्विवेदी सहित महिला सेवादल की पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

CMYK